D. El. Ed 4th Sem   25/04/2020
Saturday

Sub - Educational Management And Administration

Topic - [Teacher]

अध्यापक

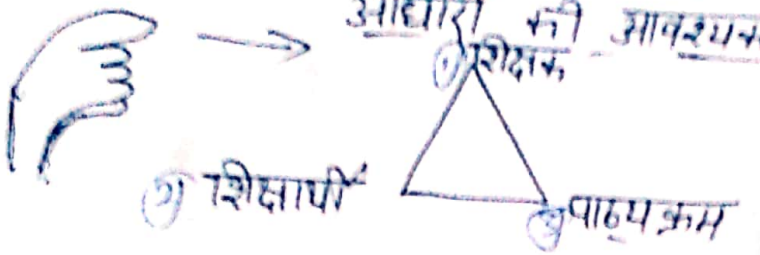

विद्यालयी कार्यव्यवस्था को पूर्ण करने के लिए तीन महत्वपूर्ण आधारों की आवश्यकता →

शिक्षार्थी + पाठ्यक्रम = एक गाड़ी के दो पहिये
शिक्षक = गाड़ी की धुरी (पहियों की)
↖ जिसके बिना गाड़ी चलना असम्भव

शिक्षक के कर्तव्य

1. निश्चित समय पर प्रार्थना सभा में उपस्थित।
2. निष्ठापूर्वक कार्य करना।
3. शैक्षिक उपलब्धि स्तर की जानकारी रखना।
4. नियमित उपस्थिति आवश्यक।
5. पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करना।
6. बच्चों की उपस्थिति पर ध्यान केन्द्रित रखना।
7. पढ़ाते समय शिक्षण सामग्री (T.L.M.) का प्रयोग।
8. शैक्षिक / अन्य गतिविधियों का मूल्यांकन करना।
9. अभिभावकों को बच्चों की प्रगति से अवगत कराना।
10. बच्चों की प्रगति रिपोर्ट कार्ड में दर्ज करना।
11. रजिस्टर में उपस्थिति / अनुपस्थिति दर्ज करना।
12. शैक्षिक / अन्य गतिविधियों का निष्पक्ष मूल्यांकन।

निष्कर्ष → "शिक्षा की किसी भी योजना में मैं अध्यापक को केन्द्रीय स्थान देता हूँ।"

Scanned with CamScanner

छात्र (Student)

विद्यालय के मानव संसाधन का 'तीसरा आधार स्तम्भ' या विद्यालय के 'बालक / छात्र' होते हैं। अतः इनकी 'क्षमता एवं रुचियों' के अनुसार यदि शिक्षा प्रदान की जाए, तो वे प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया में सहायक हो सकते हैं।

समुदाय (Community)

दो शब्दों (com) + (munis) से मिलकर बना है।

(com) → Together (एक साथ)

(munis) → To serve (सेवा करना)

इस प्रकार (Community) / समुदाय का अर्थ हुआ 'एक साथ सेवा करना'

"समुदाय वह है, जिसमें समूह के सभी व्यक्ति एक-दूसरे की सेवा करते हुए अपना सामान्य जीवन बिताते हैं।"

परिभाषा

"समुदाय सबसे छोटा ऐसा क्षेत्रीय समूह है, जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन के समस्त पहलू आ सकते हैं।" — के. डेविस

"किसी सीमित क्षेत्र के अन्तर्गत सामाजिक जीवन के सम्पूर्ण संगठन को समुदाय समझा जा सकता है।" — ऑगबर्न / निमकॉफ

विद्यालयी विकास में समुदाय की भूमिका

बालक की शिक्षा परिवार से प्रारम्भ होती है। बालक बड़ा होकर परिवार के बाहर व्यक्तियों के सम्पर्क में आता है। जलसों, मेलों, उत्सवों तथा समुदाय के अन्य कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेता है। समुदाय के लोग उसे मूल्य और परम्पराओं की जानकारी देते हैं। इस प्रकार यह मूल्य परम्परा ही बालक के विद्यालय में प्रबन्धन के लिए सहयोग करते हैं।

समुदाय की भूमिका / कार्य

→ विद्यालय भवन निर्माण के लिए भूमि की व्यवस्था।

→ पुराने विद्यालय भवन की मरम्मत कराना।

→ शैक्षिक उपकरणों की खरीदारी में सहयोग।

→ विद्यालय में छात्रावास निर्माण में सहयोग।

⇒ छात्रों की स्वास्थ्य जाँच में सहयोग।

⇒ निर्धन छात्रों के लिए पुस्तक, वर्दी (ड्रेस) की व्यवस्था

⇒ छात्रों के व्यवसायिक निर्देशन के लिए धनवानों व्यक्तियों का मार्गदर्शन